3

ईमानदार मुर्गा

(चित्रकथा)

प्रतिध्वनि

"ईमानदारी बुद्धिमानी की पुस्तक का पहला अध्याय है।" – टॉमस जेफ़र्सन

एक गाँव में एक मुर्गा रहता था। उसका कार्य प्रतिदिन सवेरे बाँग देकर सबको उठाना था। हर मौसम में वह निरंतर बिना चूक के समय से बाँग देता था।

उसकी बाँग सुनकर सभी लोग अपने काम पर जाते थे। सभी उसके काम से प्रसन्न थे, क्योंकि कोई भी काम पर देर से नहीं पहुँचता था।

उसके इसी ईमानदार कार्य के कारण उसे हर वर्ष सालाना उत्सव में ग्राम समिति की ओर से इनाम मिलता था।

एक बार उससे मिलने, पड़ोस के गाँव से उसका दोस्त आया।

वह उसके लिए एक उपहार लाया था।

वह उपहार था, एक अलार्म घड़ी। मुर्गे ने सोचा कि जब वह खुद सबको उठाता है, तो उसके लिए अलार्म घड़ी किस काम की? उसके दोस्त ने समझाया कि वह अपनी आवाज़ में अलार्म भर दे तो उसकी जगह घड़ी बाँग देगी और वह देर तक सो सकेगा।

मुर्गे ने सोचा कि उसे इसका प्रयोग करना चाहिए और अगर इस घड़ी ने उसका काम कर दिया तो वह आराम से सो सकता है।

एक रात उसने अपनी आवाज़ में अलार्म भरा।

Scanned with CamScanner

सुबह घड़ी बिल्कुल सही समय पर बजी और सभी लोग उठ गए।

मुर्गे ने सोचा कि घड़ी अच्छा काम करती है और उस दिन से वह अपने कानों में रुई डालकर देर तक सोने लगा। यह सिलसिला कुछ दिनों तक चलता रहा।

कुछ दिनों के बाद एक दिन अलार्म घड़ी नहीं बजी। लेकिन मुर्गा उससे अनजान था। सब लोगों को उठने में देर हो गई, पर उन्होंने सोचा कि शायद मुर्गे की तबीयत खराब होगी।

परंतु अगले दिन फिर घड़ी नहीं बजी। तब सभी लोग मुर्गे के पास गए और उन्होंने देखा कि मुर्गा बड़े आराम से सो रहा है। उन्होंने उसे उठाकर डाँटा, और उससे पूछा कि वह अपना कार्य क्यों नहीं कर रहा है।

तब मुर्गे ने उन्हें घड़ी वाली बात बताई।

ग्राम समिति ने उसके दोस्त को बुलाया और फिर उसके दोस्त ने बताया कि वह मुर्गे को उसके अच्छे काम के लिए मिले इनामों के कारण उससे ईर्ष्या करता था। इसीलिए उसने अपने दोस्त को खराब घड़ी भेंट की।

अंततः ईमानदार मुर्गे के दोस्त ने उससे माफी माँग ली।

जीवन मूल्य : हमें दूसरे लोगों या वस्तुओं पर इतना निर्भर नहीं रहना चाहिए कि हम अपने कर्तव्य को ही भूल जाएँ।

Scanned with CamScanner

शब्दार्थ

निरंतर	–	लगातार	उपहार	–	तोहफा
प्रसन्न	–	खुश	ईर्ष्या	–	घृणा
सालाना	–	हर साल होने वाला, वार्षिक	अंततः	–	अंत में
अनजान	–	कुछ पता न होना	निर्भर	–	आश्रित

शिक्षण-निर्देश

- विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा दें।
- विद्यार्थियों को बताएँ कि हमें दूसरों के भरोसे अपना कार्य नहीं छोड़ना चाहिए, बल्कि अपना काम पूरी ईमानदारी के साथ करना चाहिए।

पाठ्यविषयी मूल्यांकन (Curricular Assessment)

लिखित [Writing Skills (comprehension, spelling, vocabulary, grammar)]

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) मुर्गे को हर साल ग्राम समिति की तरफ से इनाम क्यों मिलता था?

(ख) मुर्गे के मित्र ने उसे घड़ी के बारे में क्या समझाया?

(ग) पहली बार बाँग न सुनाई देने पर गाँव वालों ने क्या सोचा?

(घ) मुर्गे के मित्र ने उसे खराब घड़ी क्यों भेंट की?

(ङ) हमें अपने कार्य के लिए दूसरों पर क्यों निर्भर नहीं रहना चाहिए?

2. सही शब्द से रिक्त स्थान भरिए–

(क) मुर्गा प्रतिदिन सवेरे ..... देकर सबको उठाता था।

(ख) एक बार मुर्गे का दोस्त उसके लिए ..... लाया।

3. सही उत्तर पर (✓) का चिह्न लगाइए– [Multiple Choice Questions (MCQs)]

(क) मुर्गा प्रतिदिन ..... बाँग देता था।

(i) शाम को ○ (ii) रात में ○ (iii) सवेरे ○

FRIENDS PUBLICATIONS

Scanned with CamScanner

(ख) मुर्गे का मित्र उसके लिए ..... उपहार में लाया।

(i) कपड़े ○ (ii) चॉकलेट ○ (iii) घड़ी ○

Scanned with CamScanner

समूह से अलग शब्द पर ◯ बनाइए–

(क)	नगर	शहर	गाँव	तालाब
(ख)	मुर्गा	कबूतर	बिल्ली	कोयल
(ग)	खेत	बीज	हल	बगीचा
(घ)	घड़ी	समय	सुबह	साइकिल
(ङ)	दोस्त	मित्र	साथी	पिता

FRIENDS PUBLICA

Scanned with CamScanner

पाठ-3

ईमानदार मुर्गा

सारांश -

एक गाँव में एक ईमानदार मुर्गा रहता था। उसका कार्य प्रतिदिन बाँग देकर सबको उठाना था। हर मौसम में बिना किसी चूक के वह अपना कार्य करता था। उसकी बाँग सुनकर सभी लोग अपने काम पर जाते थे। उसके काम से सभी खुश थे क्योंकि कोई भी काम पर देर से नहीं पहुँचता था और उसके इसी ईमानदारी से कार्य करने के कारण उसे हर साल सालाना उत्सव में ग्राम समिति की ओर से इनाम मिलता था।

एक बार उससे मिलने के लिए पड़ोस के गाँव से उसका एक दोस्त आया। वह उसके लिए उपहार में एक अलार्म घड़ी लाया था। उसके दोस्त ने उसे समझाया कि वह अपनी आवाज़ में अगर घड़ी में अलार्म भर दे तो उसकी जगह घड़ी बाँग देगी और वह देर तक सो सकेगा।

मुर्गे ने अपने दोस्त की बात मानकर अपनी आवाज़ में घड़ी में अलार्म भर दिया। सुबह सही समय पर अलार्म घड़ी बजी और और सब उठ गए। मुर्गे ने सोचा कि घड़ी अच्छा काम कर रही है और उस दिन से वह अपने कानों में रुई डालकर देर तक सोने लगा। कुछ दिनों के बाद एक दिन अलार्म घड़ी नहीं बजी। लेकिन मुर्गा उससे अनजान था। उस दिन सबने सोचा कि शायद मुर्गे की तबीयत खराब होगी। अगले दिन फिर घड़ी नहीं बजी, तो सभी मुर्गे के पास गए और देखा कि मुर्गा बड़े आराम से सो रहा है । उन्होनें उसे उठाकर डाँटा और उससे पूछा कि वह अपना कार्य क्यों नहीं कर रहा है तो मुर्गे ने उन्हें घड़ी वाली बात बताई। ग्राम समिति ने उसके दोस्त को बुलाया और फिर उसके दोस्त ने बताया कि वह मुर्गे को उसके अच्छे काम से मिले इनामों के कारण उससे ईर्ष्या करता था, इसीलिए उसने अपने दोस्त को खराब घड़ी भेंट की थी। अंत में ईमानदार मुर्गे के दोस्त ने उससे माफी माँग ली थी।

नोट - केवल पढ़ने एवं समझने के लिए ।

Scanned with CamScanner

लिखित

1) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

(क) मुर्गे को हर साल ग्राम समिति की तरफ से इनाम क्यों मिलता था ?

उत्तर – मुर्गे को ईमानदारी से उसका कार्य करने के लिए हर साल ग्राम समिति की तरफ से इनाम मिलता था ।

(ख) मुर्गे के मित्र ने उसे घड़ी के बारे में क्या समझाया ?

उत्तर – मुर्गे के मित्र ने उसे घड़ी के बारे में समझाया कि वह अपनी आवाज़ में अलार्म भर दे तो उसकी जगह घड़ी बाँग देगी और वह देर तक सो सकेगा।

(ग) पहली बार बाँग न सुनाई देने पर गाँव वालों ने क्या सोचा ?

उत्तर – पहली बार बाँग न सुनाई देने पर गाँव वालों ने सोचा कि शायद मुर्गे की तबीयत खराब होगी ।

(घ) मुर्गे के मित्र ने उसे खराब घड़ी क्यों भेंट की ?

उत्तर –मुर्गे का मित्र उसे मिले इनामों की वजह से उससे ईर्ष्या करता था। इसीलिए उसने अपने मित्र को खराब घड़ी भेंट की ताकि वह सुबह सोता रहे और बाँग न दे सके ।

(ङ) हमें अपने कार्य के लिए दूसरों पर क्यों निर्भर नहीं रहना चाहिए ?

उत्तर –कभी- कभी दूसरों के भरोसे काम करने से हमारा कार्य सही समय पर सही प्रकार से पूरा नहीं हो पाता है, अतः हमें आत्मनिर्भर होना चाहिए और अपना कार्य स्वयं ही पूरा करना चाहिए ।

Scanned with CamScanner

2) **सही शब्द से रिक्त स्थान भरिए-**

(क) मुर्गा प्रतिदिन सवेरे **बाँग** देकर सबको उठाता था।

(ख) एक बार मुर्गे का दोस्त उसके लिए **घड़ी** लाया।

---

3) **सही उत्तर पर (√) का चिह्न लगाइए –**

(क) मुर्गा प्रतिदिन ..... बाँग देता था।

(i) शाम को ◯ (ii) रात में ◯ (iii) सवेरे (√)

(ख) मुर्गे का मित्र उसके लिए ..... उपहार में लाया।

(i) कपड़े ◯ (ii) चॉकलेट ◯ (iii) घड़ी (√)

---

4) समूह से अलग शब्द पर ◯ बनाइए –

(क) नगर	शहर	गाँव	(तालाब)
(ख) मुर्गा	कबूतर	(बिल्ली)	कोयल
(ग) खेत	बीज	हल	(बगीचा)
(घ) घड़ी	समय	सुबह	(साइकिल)
(ङ) दोस्त	मित्र	साथी	(पिता)

Scanned with CamScanner

नोट-

1) पाठ का वाचन (Reading) करें।

2) पाठ का सारांश केवल पढ़ने एवं समझने के लिए है।

3) शब्दार्थ किताब में दिए गए हैं।

4) पाठ के कठिन शब्दों का अभ्यास लिख-लिखकर करें।

5) फिर शब्दार्थ, प्रश्न - उत्तर एवं अभ्यास कार्य करें।

Scanned with CamScanner